**भारत सरकार**

**पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय**

**राज्‍य सभा**

**अतारांकित प्रश्‍न सं0 3002**

**दिनांक 21 मार्च, 2018**

**इंडियन ऑयल तेलशोधकों में आरामको (ए आर ए एम सी ओ)**

**द्वारा निवेश**

**3002. श्रीमती वानसुक साइमः**

क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या भारत ने सऊदी अरब को भविष्य में सामरिक तेल रिज़र्व में हिस्सेदारी की पेशकश की है और पश्चिमी तट तेलशोधक और प्रस्तावित काकीनाड़ा पेट्रोकेमिकल परियोजना में निवेश करने का भी अवसर प्रदान करने की भी पेशकश की है;

(ख) क्या सऊदी अरब की प्रमुख कंपनी आरामको (एआरएएमसीओ) की पश्चिमी तट तेलशोधक के अतिरिक्त इंडियन ऑयल रिफाइनरी में निवेश करने की योजना है; और

(ग) क्या भारत ने मैंगलुरु भंडारण सुविधा को पूरा करने के लिए अबु धबी नेशनल ऑयल कंपनी के साथ पहले ही व्यवसाय समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं?

**उत्तर**

**पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री**

**(श्री धर्मेन्द्र प्रधान)**

(क) और (ख): पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री की फरवरी, 2018 में नई दिल्‍ली में सऊदी अरब के अपने समकक्ष मंत्री से मुलाकात के दौरान पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री ने सऊदी अरब की कंपनियों को भारतीय तेल और गैस ढांचागत परियोजनाओं में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया।

(ग): मंगलौर एसपीआर सुविधा में दूसरी कंदरा में कच्‍चा तेल भरने के लिए आईएसपीआरएल और यूएई की आबू-धाबी नेशनल ऑयल कंपनी (एडीएनओसी) ने तेल भंडारण और प्रबंधन के संबंध में एक पुनर्निर्धारित सुस्‍पष्‍ट करार पर हस्‍ताक्षर किए हैं। इस करार में यह व्‍यवस्‍था की गई है कि एडीएनओसी अपनी लागत से कंदरा में कच्‍चा तेल भरेगी।

\*\*\*\*